कक्षा–12 NCERT भूगोल (मानव भूगोल के मूल सिद्धांत)

अध्याय–01 (मानव भूगोल–प्रकृति एवं विषय क्षेत्र) – नोट्स भाग–2

Youtube Channel Name : Siddhi Vinayak Sangaria

Channel Link- https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

Telegram link - https://t.me/siddhivinayaksangariamukesh (Siddhi Vinayak Sangaria)

---

1. ''प्रौद्योगिकी किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर का सूचक होती है।'' इस कथन की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर– प्रौद्योगिकी किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर का सूचक होती है, क्योंकि–

1. मानव अपनी प्रौद्योगिकी की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण (प्रकृति) से अन्योन्य क्रिया करता है।
2. प्रकृति के ज्ञान के आधार पर ही सांस्कृतिक वातावरण का निर्माण होता है।
3. मानव प्रकृति के नियमों को समझकर ही प्रौद्योगिकी का विकास कर सकता है। जैसे–
4. घर्षण व उष्मा की सोच ने मानव को आग की खोज में सहायता की।
5. डीएनए तथा आनुवांशिकी के रहस्यों ने मानव को अनेक बीमारियों पर विजय पाने में सहायता की।
6. वायु के गति के नियमों के प्रयोग से मानव अधिक तीव्र गति से चलने वाले वायुयान विकसित कर पाया।
7. पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों के द्वारा जो संभावनाएं जन्म लेती हैं, उनसे मानवीय क्रियाएं सांस्कृतिक भू–दृश्यों की रचना करती है।
8. मानवीय क्रियाओं की छाप चारों ओर दिखाई देती है। जैसे– उच्च भूमि पर हॉस्पीटल, धर्मशाला, विशाल नगर, खेत, मैदानों व पहाड़ियों में चारागाह, समुद्री तटों पर बन्दरगाह, सिंचाई के लिए नदियों पर बांध बनाकर नहर निर्माण तथा अंतरिक्ष में उपग्रह आदि।
9. मानव द्वारा प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके प्रकृति को अपने अनुसार ढाल लेना **'प्रकृति का मानवीकरण'** कहलाता है।
10. प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव उसका उपयोग करता है तथा धीरे–धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है। मानव भूगोल की यह विचारधारा **संभववाद** कहलाती है।

2. पर्यावरणीय निश्चयवाद के विचार को उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

1. अपनी आरंभिक अवस्था में मानव की तकनीकी का स्तर अत्यंन्त निम्न था और मानव के सामाजिक–सांस्कृतिक विकास की अवस्था भी आदिम थी।
2. अपनी आरंभिक अवस्था में मानव, प्रकृति से अत्यधिक प्रभावित हुआ।
3. आरंभिक अवस्था में मानव ने प्रकृति के अनुसार अपने आप को ढाल लिया था इसे **'मानव का प्राकृतीकरण'** कहते हैं।

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria

4. इस अवस्था में मानव प्रकृति की सुनता था और उसकी पूजा करता था।
5. आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच होने वाले अन्योन्य क्रिया को **'पर्यावरणीय निश्चयवाद'** कहा जाता है।
6. अपने विकास के लिए मानव प्राकृतिक संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर है।
7. आदिम मानव समाज के लिए भौतिक पर्यावरण **'माता–प्रकृति'** का रूप धारण करता है।
8. पर्यावरणीय निश्चयवाद विचारधारा के अनुसार मानव, **प्रकृति का दास** है।

3. मानव भूगोल की संभववाद विचारधारा को उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–

1. मानव अपनी प्रौद्योगिकी की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण (प्रकृति) से अन्योन्य क्रिया करता है।
2. मानव प्रकृति के नियमों को समझकर ही प्रौद्योगिकी का विकास कर सकता है। जैसे–
3. घर्षण व उष्मा की सोच ने मानव को आग की खोज में सहायता की।
4. डीएनए तथा आनुवांशिकी के रहस्यों ने मानव को अनेक बीमारियों पर विजय पाने में सहायता की।
5. वायु के गति के नियमों के प्रयोग से मानव अधिक तीव्र गति से चलने वाले वायुयान विकसित कर पाया।
6. पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों के द्वारा जो संभावनाएं जन्म लेती हैं, उनसे मानवीय क्रियाएं सांस्कृतिक भू–दृश्यों की रचना करती है।
7. मानवीय क्रियाओं की छाप चारों ओर दिखाई देती है। जैसे– उच्च भूमि पर हॉस्पीटल, धर्मशाला, विशाल नगर, खेत, मैदानों व पहाड़ियों में चारागाह, समुद्री तटों पर बन्दरगाह, सिंचाई के लिए नदियों पर बांध बनाकर नहर निर्माण तथा अंतरिक्ष में उपग्रह आदि।
8. मानव द्वारा प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके प्रकृति को अपने अनुसार ढाल लेना **'प्रकृति का मानवीकरण'** कहलाता है।
9. प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव उसका उपयोग करता है तथा धीरे–धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है। मानव भूगोल की यह विचारधारा **संभववाद** कहलाती है।
10. संभववाद विचारधारा के जनक **विडाल–डी–ला–ब्लाश** है। इस विचारधारा के अनुसार मानव, **प्रकृति का स्वामी** है।

4. मानव भूगोल की नव–निश्चयवाद विचारधारा को उपयुक्त उदाहरणों द्वारा समझाइए।

उत्तर–

1. **ग्रिफिथ टेलर** ने नव–निश्चयवाद विचारधारा प्रस्तुत की थी।
2. यह विचारधारा पर्यावरणीय निश्चयवाद और संभववाद के बीच **मध्यमार्गी** है अर्थात् यह दो विचारधाराओं के मध्य संतुलन बनाने का प्रयास करती है।
3. इस विचारधारा के अनुसार मानव, पर्यावरणीय निश्चयवाद के अनुसार न तो प्रकृति पर पूरी तरह निर्भर रह सकता है और न ही संभववाद के अनुसार प्रकृति से स्वतंत्र रह सकता है।

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria

4. इस विचारधारा के अनुसार मानव, प्रकृति के साथ सामंजस्य (समायोजन) करता है।
5. इस विचारधारा के अनुसार मानव को प्रकृति पर विजय पाने के लिए प्रकृति के नियमों का पालन करना होगा और उसे विनाश से बचाना होगा।
6. यह विचारधारा पर्यावरण को नुकसान किए बिना समस्याओं को सुलझाने पर बल देती है। जैसे–
7. औद्योगिकीकरण करते हुए जंगलों को नष्ट होने से बचाना और खनन करते समय अतिदोहन से बचाना।
8. यह विचारधारा **'रुको और जाओ' निश्चयवाद** के नाम से भी जानी जाती है।

5. 1970 के दशक में मानव भूगोल में किन विचारधाराओं का उदय हुआ? उनके नाम लिखते हुए प्रमुख लक्षण लिखिए।

उत्तर– 1970 के दशक में मानव भूगोल में निम्न तीन विचारधाराओं का उदय हुआ–

1. **कल्याणपरक अथवा मानवतावादी विचारधारा–** इसका संबंध लोगों के सामाजिक कल्याण के अनेक पक्षों जैसे– शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास से होता है।
2. **आमूलवादी (रेडिकल) विचारधारा–** इसका संबंध निर्धनता के कारण और सामाजिक असमानता से होता है। इसमें मार्क्स के सिद्धांत का उपयोग किया गया है।
3. **व्यवहारवादी विचारधारा–** इसमें प्रत्यक्ष अनुभव के साथ–साथ मानव, धर्म एवं प्रजाति पर आधारित सामाजिक वर्गों पर जोर दिया गया है।

6. रेटजेल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा लिखते हुए आर्थिक भूगोल के चार उपक्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर– रेटजेल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा– ***"मानव भूगोल, मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।'***

आर्थिक भूगोल के उपक्षेत्र–

1. संसाधन भूगोल
2. कृषि भूगोल
3. पर्यटन भूगोल
4. उद्योग भूगोल

7. भूगोल की दो प्रमुख शाखाओं के नाम लिखिए। एलन सेंपल द्वारा दी गई मानव भूगोल की परिभाषा लिखिए। राजनीतिक भूगोल के दो उपक्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर– भूगोल की दो प्रमुख शाखाएं–

1. भौतिक भूगोल
2. मानव भूगोल

एलन सेंपल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा– ***"मानव भूगोल, अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।"***

राजनीतिक भूगोल के दो उपक्षेत्र–

1. निर्वाचन भूगोल
2. सैन्य भूगोल

YouTube Channel: Siddhi Vinayak Sangaria